मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 256, मुंबई, शनिवार, 2 दिसंबर, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

अजित पवार का बड़ा दावा

शरद पवार का अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना नौटंकी था

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और अपने चाचा शरद पवार को लेकर शुक्रवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि शरद पवार का एनसीपी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना नौटंकी था। उन्होंने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वे लगातार शरद पवार को ये कह रहे थे कि उन लोगों को काम के लिए सरकार में शामिल होना चाहिए। वे लोग शरद पवार से जाकर मुलाकात की और बात बताई। उन्होंने कहा कि इसके बाद वे इस्तीफा देंगे, उनके इस्तीफे को लेकर सभी चार लोगों को जानकारी थी। शरद पवार ने कहा कि वे लोग सरकार में शामिल हो जाएं। उसके बाद वह इस्तीफा दे रहे हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

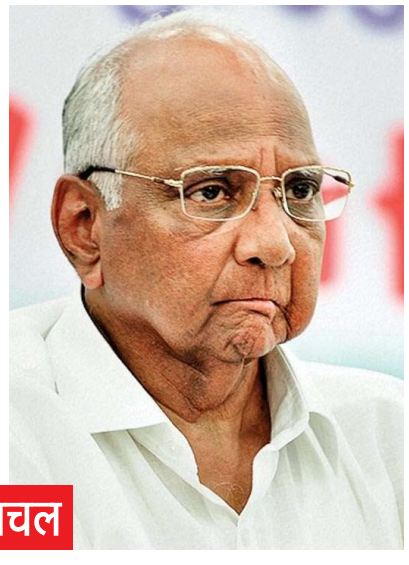

महाराष्ट्र में बढ़ी सियासी हलचल

बीजेपी में शामिल होने पर खोला राज

बीजेपी में शामिल होने पर अजित पवार ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि उनके उपर केस थे। इसलिए वहां गए। कई आरोप लगाए गए। वह 32 साल से काम कर रहे हैं और जैसा बोलते हैं। वैसा करते हैं। आज उनके पास वित्त विभाग है। डिपीडीसी में कोई भी उनके ऊपर आरोप नही कर सकता है। उन्होंने कहा कि वह भले ही संगठन के प्रदेश अध्यक्ष नहीं बने, लेकिन सभी को पता है कि संगठन का काम कौन करता है और किसने किया है। वह जो बोल रहे हैं, वो झूठ नहीं बोल रहे हैं।

कोहरे से बड़ा हादसा!

महाराष्ट्र के पुणे-नासिक हाईवे पर टेंपो से टकराई जीप, 3 की मौत, 5 गंभीर

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे जिले के मंचर में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां एक टेंपो और क्रूजर जीप की भिड़ंत में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दो घायलों की हालत चिंताजनक बनी है। शुरूआती तौर पर कहा जा रहा है कि यह भीषण हादसा कोहरे के कारण हुआ है। जानकारी के मुताबिक, पुणे के अंबेगांव तालुका के मंचर शहर के पास पुणे-नासिक हाईवे पर यह भयानक दुर्घटना हुई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

राखी सावंत को पर्सनल वीडियो लीक मामले में राहत

7 दिसंबर तक गिरफ्तारी पर रोक, पूर्व पति ने दर्ज कराया है केस

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत एक बार फिर सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस पर उनके पूर्व पति आदिल खान दुर्रानी ने उनके निजी वीडियो लीक करने का आरोप लगाया है और मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मुंबई की अंबोली पुलिस ने दुर्रानी की शिकायत पर राखी सावंत के खिलाफ आईटी एक्ट की धारा 67ए के तहत एफआईआर दर्ज की है। इस वजह से मॉडल पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। हालांकि, स्थानीय अदालत ने राखी सावंत को अंतरिम राहत दी है और उनकी गिरफ्तारी पर 7 दिसंबर तक रोक लगा दी है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अदालत ने राखी सावंत को अस्थायी राहत देते हुए कहा कि चूंकि गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका पर सुनवाई उनके पति के आदेश पर स्थगित की जा रही है ताकि उन्हें अपनी बात कहने का मौका दिया जा सके, इसलिए उन्हें सुरक्षा देना उचित होगा

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अभद्र बोल पर वार

अभद्र भाषा या 'हेट स्पीच' के लिए समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को दोषी ठहराए जाने का भारतीय राजनीति में एक व्यापक सांकेतिक महत्व है। इसका एक पहलू राजनीतिक है, तो दूसरा सामाजिक है, जिस पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। खैर, आजम खान को तीन साल की कैद के साथ ही, 2,000 रुपये जुर्माने की भी सजा सुनाई गई है। आजम खान ने मुख्यमंत्री व रामपुर के तत्कालीन जिलाधिकारी के खिलाफ हेट स्पीच या भड़काऊ बयान दिया था और अप्रैल 2019 में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी के एक वरिष्ठ नेता आजम खान इन दिनों उत्तर प्रदेश के रामपुर से विधायक हैं। सजा मिलने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता जा सकती है। अगर ऐसा हुआ, तो यह दूसरे नेताओं के लिए सबक होगा। दूसरी ओर, अगर लोग यह मानेंगे कि राजनीतिक द्वेष की वजह से आजम खान को सजा सुनाई गई है, तो इसका बुरा असर भी हो सकता है। फैसला भले अदालत ने किया है, लेकिन सरकार के लिए यह जरूरी है कि वह किसी भी तरह से राजनीतिक विद्वेष दर्शाती हुई न दिखे। आजम खान मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। जमीन हड़पने के एक मामले में वह महीनों जेल में रहे हैं और इस मामले में उन्हें तत्काल तो जेल नहीं जाना पडेगा, वह ऊपरी अदालत में अपील कर सकते हैं। वैसे भी ऐसे मामलों में किसी नेता को सजा देना आसान काम नहीं है। देश में बड़ी संख्या में ऐसे नेता हैं, जिन्होंने भड़काऊ बयान दिए हैं, पर आराम से सभाओं में या लोगों के बीच घूम रहे हैं। घृणा फैलाने वाले बयान व भाषण तो देश में बहुत हैं, लेकिन सजा मिलने के उदाहरण बहुत कम हैं। घृणा की अपनी अलग राजनीति है, सत्ता या सरकार बदलने के साथ ही अपराध के प्रति नजरिया बदल जाता है। विपक्ष में रहते बहुत तीखा बोलने वाले नेता भी सत्ता में आकर अपेक्षाकृत सुधर जाते हैं। कानून की राह भी बहुत उलझी हुई है, अनेक नेता पहले ही अदालतों से राहत या जमानत लेकर बैठे रहते हैं। दरअसल, बहुत हद तक ऐसे मामलों में सरकार की मर्जी भी मायने रखती है। आजम खान की ही बात करें, तो उनके खिलाफ कई मामले चल रहे हैं। कभी वह उत्तर प्रदेश की सत्ता में बड़े कद्दावर नेता थे। तमाम परेशानियों के बावजूद पिछले चुनाव में उन्होंने साबित किया कि आज भी उनका जमीनी आधार है। अब जरूरी है कि वह अगर खुद को निर्दोष मानते हैं, तो कानूनी लड़ाई पुरजोर तरीके से लड़ें। जहां तक कानून और संविधान की बात है, तो उससे कोई समझौता किसी भी सरकार को नहीं करना चाहिए। कानून में पर्याप्त प्रावधान हैं कि कोई भी भड़काऊ इंसान छुट्टा नहीं घूम सकता, लेकिन आज यह बात किसी से छिपी नहीं कि सभी दलों में ऐसे लोग भरे पड़े हैं, जिनके नफरती बोल देश के बुनियादी लोकतांत्रिक ढांचे को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अपनी बात रखने का एक सलीका है, जिसे लोग भूलते जा रहे हैं। यह भी एक पहलू है कि समाज में अपशब्द ही लोगों का ज्यादा ध्यान खींचने लगे हैं। अपशब्द बोलने वालों को सजा मिलने लगेगी, तभी यह अनुचित आदत छूटेगी। अब तो सोशल मीडिया का भी एक विशाल क्षेत्र है, जहां भाषा और भाव का संयम दिनोंदिन जरूरी होता जा रहा है। देश की अदालतों को नफरती या भड़काऊ बोल के मामले में पूरी तेजी के साथ सुनवाई पूरी करनी चाहिए, ताकि समाज केवल सकारात्मक राह पर ही आगे बढ़े।

केजरीवाल: असल हिंदू योद्धा!

आखिर भाजपा भी उसी मतदाता समूह के दम पर फल-फूल रही है। यह वो समूह है, जो महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी जैसी आर्थिक असुरक्षा और चीन के भारत की जमीन कब्जा करने जैसी सामरिक असुरक्षा की सच्चाई के बावजूद भाजपा को इसलिए वोट करता है क्योंकि उसे यकीन है कि भाजपा देश को मजबूत कर रही है और दुनिया में भारत का नाम बढ़ा रही है। केजरीवाल उसी मतदाता समूह को लक्ष्य कर रहे हैं। उनको लग रहा है कि कट्टर हिंदुत्व के ब्रांड की राजनीति में ज्यादा गुंजाइश है। अभी इस ब्रांड की राजनीति सिर्फ भाजपा कर रही है। एक बड़ी पार्टी शिव सेना यह राजनीति करती थी तो भाजपा ने उसे काफी कमजोर कर दिया है। अब भाजपा के सामने आम आदमी पार्टी की चुनौती पैदा हो रही है। इससे देश की राजनीति काफी दिलचस्प हो जाएगी।

आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भारतीय मुद्रा पर लक्ष्मी और गणेश की तस्वीर लगाने का सुझाव देकर देश की राजनीति में हलचल मचा दी है। इससे उनकी राजनीति की नए सिरे से व्याख्या होने लगी है। लेकिन असल में यह कोई नई राजनीति नहीं है, बल्कि केजरीवाल बरसों से जो राजनीति कर रहे हैं उसी का एक नया दांव है। राजनीति शुरू करने से पहले, जब वे सामाजिक कार्यकर्ता थे और भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे, तब भी वैचारिक रूप से वे हिंदुत्व और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की ओर से प्रचारित व स्थापित की गई राष्ट्रवाद के सिद्धांत को मानने वाले थे। राजनीति भी उन्होंने इसी लाइन पर की। यह एक भ्रम था, जो थोड़े समय बना रहा कि आम आदमी पार्टी उत्तर विचारधारा यानी पोस्ट आइडियोलॉजी पार्टी है और गवर्नेंस के मॉडल पर चलती है। यह भ्रम टूटे भी काफी समय हो गया।

याद करें, जब आम आदमी पार्टी 2015 में दिल्ली विधानसभा का अपना दूसरा चुनाव लड़ रही थी तब एक वीडियो लीक हुआ था, जिसमें केजरीवाल बड़ी हिकारत के साथ कह रहे हैं कि मुसलमानों के लिए चार टिकट पर्याप्त है। उस समय भी वे अपनी विचारधारा के हिसाब से ही राजनीति कर रहे थे। वे मान रहे थे कि मुसलमान कहां जाएंगे? कांग्रेस लगभग खत्म हो गई है तो मुसलमान भाजपा विरोध की अपनी मजबूरी में आप को ही वोट देंगे, इसलिए उनको ज्यादा टिकट देने की जरूरत नहीं है। वे नहीं चाहते थे कि मुसलमानों को आबादी के अनुपात में या उससे ज्यादा टिकट देकर वे अपनी छवि कांग्रेस या दूसरी सेकुलर पार्टियों जैसी बनाएं क्योंकि उन पार्टियों के ऊपर मुस्लिमपरस्ती के आरोप लगते रहे हैं। यह मानने की पर्याप्त वजह है कि वह वीडियो जान बूझकर लीक कराया गया था ताकि हिंदू मतदाताओं में यह मैसेज जाए कि भाजपा तो है ही, आप भी उन्हीं की पार्टी है। इसके बाद यानी 2015 में दिल्ली विधानसभा का चुनाव जीतने के बाद अरविंद केजरीवाल ने कई बार अपनी विचारधारा और पार्टी की लाइन स्पष्ट की। उनकी पार्टी 2020 में दूसरी बार दिल्ली में जीती तो वे कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर गए, पूजा अर्चना की, हनुमान चालीसा का पाठ किया और खुद को कट्टर हनुमान भक्त बताया। कह सकते हैं कि यह उनकी निजी आस्था का मामला था लेकिन बाद में उनकी पार्टी ने हर मंगलवार को सार्वजनिक रूप से हनुमान चालीसा के पाठ का ऐलान किया। यह निजी आस्था का नहीं, बल्कि पार्टी की नीतियों का मामला था। उन्होंने दिल्ली के बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थाटन की योजना घोषित की और हाल में गुजरात में उन्होंने ऐलान किया कि अगर उनकी पार्टी जीतती है तो वे गुजरात के लोगों को मुफ्त में अयोध्या के राम मंदिर की यात्रा कराएंगे। केजरीवाल ने दिल्ली में 'रामराज' लाने का भी वादा किया है। अपने आंदोलन के दिनों से वे तिरंगा लेकर भारत माता की जय के नारे लगाते थे और अब दिल्ली के स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम शुरू कराया है और साथ ही योगशाला भी शुरू कराई है। पिछले साल दिवाली के मौके पर केजरीवाल ने भव्य दिवाली पूजन का आयोजन किया था। पंडाल लगा कर सार्वजनिक रूप से लक्ष्मी और गणेश की पूजा हुई थी। इस भव्य आयोजन का कई दिन तक प्रचार होता रहा था और इसका सार्वजनिक प्रसारण भी कराया गया। उनके नए बयान और पुरानी राजनीति में फर्क यह है कि अब तक अरविंद केजरीवाल जो कुछ भी करते रहे थे वह हिंदू मतदाताओं को आकर्षित करने की स्वाभाविक राजनीति की तरह थी। लेकिन रुपए पर लक्ष्मी और गणेश की तस्वीर लगाने का जो सुझाव उन्होंने दिया है वह बहुत असामान्य सुझाव है। केजरीवाल ने यह सुझाव धार्मिक आधार पर नहीं दिया है। उन्होंने यह नहीं कहा है कि भारत हिंदू बहुलता वाला देश है, जिसकी बहुसंख्यक आबादी धन के लिए लक्ष्मी व गणेश की पूजा करती है इसलिए रुपए पर उनकी तस्वीर होनी चाहिए। अगर वे ऐसा कहते तब भी बात समझ में आती। लेकिन उन्होंने कहा है कि इससे भारतीय मुद्रा की स्थिति में सुधार होगा, उसका गिरना रूक जाएगा और वह डॉलर के मुकाबले मजबूत होने लगेगी। ऐसा कहना उसी तरह है कि दवा की परची या पैकेट पर धन्वंतरि, सुश्रुत या चरक की फोटो लगा दें तो लोग जल्दी ठीक हो जाएंगे या लड़ाकू विमानों पर धनुषधारी भगवान राम या चक्रधारी भगवान कृष्ण की फोटो लगा दें तो दुश्मन हमारा मुकाबला नहीं कर पाएंगे! भगवान में अपनी गहरी आस्था के बावजूद हर हिंदू के लिए कर्म और पुरुषार्थ सबसे महत्वपूर्ण है, जिसका संदेश भगवान कृष्ण ने गीता में दिया है। केजरीवाल इसकी बात नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आईआईटी से पढ़ाई की है और आयकर विभाग के बड़े अधिकारी रहे हैं लेकिन रुपए की गिरती स्थिति को संभालने के लिए कोई आर्थिक सुझाव देने की बजाय वे उस पर लक्ष्मी व गणेश की फोटो लगाने का सुझाव देते हैं।

उन्होंने यह सुझाव अज्ञानता में या भूलवश नहीं दिया है, बल्कि सोच समझ कर और एक लक्षित मतदाता समूह के लिए दिया है। ऐसा मतदाता समूह, जो डॉक्टर की परची पर श्रीहरि लिखने के सुझाव से आह्लादित होता है, जो दुनिया के विकसित देशों से खरीदे गए लड़ाकू विमानों की पूजा करने और नारियल फोड़ने के धार्मिक कर्मकांड से प्रफुल्लित होता है और जो राम से ज्यादा राम नाम की महिमा में यकीन करता है और मानता है कि जैसे भगवान राम का नाम लिख देने से समुद्र में पत्थर तैरने लगे थे वैसे ही रुपए पर लक्ष्मी और गणेश की तस्वीर लगा दी जाएगी तो भारतीय मुद्रा सबसे मजबूत हो जाएगी, उसको ध्यान में रख कर केजरीवाल ने यह बयान दिया है। अब वे सहज व सामान्य हिंदू की बजाय कट्टरपंथी और बुद्धिनिरपेक्ष हिंदू को लक्ष्य कर रहे हैं और यह भाजपा के लिए बड़े खतरे और चिंता की बात हो सकती है। आखिर भाजपा भी उसी मतदाता समूह के दम पर फल-फूल रही है। यह वो समूह है, जो महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी जैसी आर्थिक असुरक्षा और चीन के भारत की जमीन कब्जा करने जैसी सामरिक असुरक्षा की सच्चाई के बावजूद भाजपा को इसलिए वोट करता है क्योंकि उसे यकीन है कि भाजपा देश को मजबूत कर रही है और दुनिया में भारत का नाम बढ़ा रही है। केजरीवाल उसी मतदाता समूह को लक्ष्य कर रहे हैं। उनको लग रहा है कि कट्टर हिंदुत्व के ब्रांड की राजनीति में ज्यादा गुंजाइश है। अभी इस ब्रांड की राजनीति सिर्फ भाजपा कर रही है। एक बड़ी पार्टी शिव सेना यह राजनीति करती थी तो भाजपा ने उसे काफी कमजोर कर दिया है। अब भाजपा के सामने आम आदमी पार्टी की चुनौती पैदा हो रही है। इससे देश की राजनीति काफी दिलचस्प हो जाएगी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

कलवा पुलिस द्वारा चैन स्नैचिंग के आरोपी को गिरफ्तार कर उजागर किया 6 अपराधिक मामले

मुंबई हलचल/ अब्दुस समद खान

मुंब्रा। कलवा पुलिस द्वारा चैन स्नेचिंग के आरोपी को गिरफ्तार कर 6 अन्य अपराधिक मामलों का पदार्फाश किया गया इस मामले में ठाणे पुलिस जोन एक के उपायुक्त गणेश गावडे द्वारा 30 नवंबर गुरुवार शाम 4:30 बजे ली गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया की 8 नवंबर बुधवार सुबह 8:20 बजे कलवा पुलिस स्टेशन की हद में विट्ठल मंदिर परिसर में एक मोटरसाइकिल पर सवार अभियुक्त ने 65 वर्षीय वृद्ध महिला के गले से 14 ग्राम सोने का मंगलसूत्र छीनकर रफू चक्कर हो गए उसके बाद महिला की शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध में गुं:रजिं:नं:607/2023 भारतीय दंड संहिता कलम की धारा 392 के तहत मामला दर्ज कर फरार चैन स्नैचर की तलाश कलवा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कन्हैया थोरात के मार्गदर्शन में डिक्टेक्शन ब्रांच के पुलिस उप निरीक्षक दीपक घुगे और उनके टीम द्वारा शुरू कर दी। घटनास्थल के 80 किलोमीटर के दायरे में सभी सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए कड़ी पूछताछ की गई खबरियों

को हाई अलर्ट मोड पर रख दिया गया और 12 दिन की गई कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार कलवा पुलिस को कामयाबी मिली आरोपी मोहम्मद उर्फ सलमान करीब शाह सैयद उर्फ जाफरी वर्ष 28 रहवासी दळखन खरडीं ताःशाहपुर, ठाणे, मूल रहवासी अंबिवली कल्याण ठाणे का बताया जा रहा है को खरडी तालुका शाहपुर से 21 नवंबर मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया उससे की गई कथित पूछताछ के बाद पता चला की चुराई हुई सोने की चैन शब्बीर नियमित खान वर्ष 52 को दी गई उसको भी गिरफ्तार कर लिया गया है दोनों आरोपियों से की गई कड़ी पूछताछ के बाद यह खुलासा हुआ कि यह अपराध करने के अलावा और भी दो चैन स्नेचिंग की वारदात को कलवा मे वर्तकनगर में तीन और कासरवाडावली में एक इस तरह से कुल 6 अपराधिक वारदातों को इन दोनों आरोपियों द्वारा अंजाम दिया गया है और तमाम अपराधों को इन दोनों आरोपी द्वारा कबूल किया गया है और माल मुद्दा 70 ग्राम सोने की आभूषण की कीमत 4,20,000/- रुपए और 1,50,000/- रुपए कीमत की मोटरसाइकिल जप्त की गई है कुल मिलाकर 5,70,000/- रुपए का माल मुद्दा बरामद किया गया। उपयुक्त गणेश गावड़े ने बताया आरोपी अपराध करते समय बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करते थे और साथ ही अपने चेहरे पर हेलमेट लगाकर चैन स्नैचिंग जैसी चोरी की वारदात को अंजाम दिया करते थे आरोपी जाफरी के बारे में की गई छानबीन पर पता चला कि आरोपी के ऊपर पहले से ही चोरी और रोबरी के 14 आपराधिक मामले विभिन्न पुलिस स्टेशन में दर्ज है और आरोपी नंबर दो शब्बीर नियमित खान पर भी हत्या का मामला इगतपुरी पुलिस स्टेशन में दर्ज है यह दोनों आरोपी के विरुद्ध में हम न्यायालय में जाकर उनके तमाम आपराधिक मामलों में जमानत खारिज करने की मांग करेंगे गावड़े ने व्यापारियों से भी निवेदन किया है कि अपनी दुकानों के आसपास सीसीटीवी कैमरा जरूर लगाए और उन्होंने कहा है कि हमारी ओर से ठाणे मनपा प्रशासन से निवेदन किया है कि जल्द से जल्द सभी जगह पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाए ताकि अपराध में कमी हो सके और अपराधी को पकड़ने में आसानी हो।

जमाअत ए इस्लामी हिंद, महाराष्ट्र ने 18 ज़िलों में फसल क्षति से पीड़ित किसानों को तत्काल मुआवजा देने की मांग की

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। जमाअत ए इस्लामी हिंद, महाराष्ट्र ने 18 ज़िलों में बेमौसम वर्षा और ओलावृष्टि के कारण फसल के क्षति से पीड़ित होने वाले किसानों को तत्काल मुआवजा देने की मांग की है। मीडिया को दिए एक बयान में जेआईएच महाराष्ट्र के अध्यक्ष मौलाना इलियास खान फलाही ने कहा कि जमाअत ए इस्लामी हिंद उन रिपोर्टों से अत्यधिक चिंतित है कि महाराष्ट्र के 18 जिलों में मुख्य रूप से उत्तरी महाराष्ट्र के 90,000 हेक्टेयर से अधिक फसल को क्षति पहुंची है। मुख्य रूप से उत्तरी महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्रों में बेमौसम वर्षा और ओलावृष्टि के कारण प्रभावित हुए हैं। हम प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजे देने की मांग करते हैं। भारी बारिश और ओलावृष्टि से अंगूर, केले, संतरे और प्याज को व्यापक नुकसान हुआ। परिणाम स्वरूप इन वस्तुओं की कीमतों में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी देखी जा रही है और साधारण व्यक्ति प्रभावित हो रहा है। लासलगांव के प्याज बाजार में पहले से ही प्याज की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। मिट्टी की कम नमी

के कारण धीमी बुआई और विदर्भ और मराठवाड़ा में आम की खेती और कपास/अनाज पर संभावित प्रभाव के बारे में चिंताएं हैं। विदर्भ और मराठवाड़ा में मिट्टी की नमी में कमी और आम की खेती और कपास/अनाज की फसलों पर संभावित प्रभाव के कारण बुआई चिंतित है। यद्यपि मुख्यमंत्री द्वारा फसल क्षति आकलन (पंचनामा) के निर्देश सराहनीय हैं, लेकिन जिन किसानों की फसल क्षति हुई है, उनके लिए मुआवजे की तत्काल मंजूरी और आवंटन की आवश्यकता है। किसान अभी भी अपनी आजीविका के लिए पूरी तरह से अपनी फसल पर निर्भर हैं। बड़े पैमाने पर फसल की क्षति के परिणामस्वरूप आर्थिक समस्या जन्म लेती है जो किसानों को उच्च ब्याज दरों पर ऋण लेने के लिए विवश करता है। मौके पर सहायता न मिलने पर वे ब्याज के उस शोषणकारी चंगुल में फंस जायेंगे जिसके दुष्परिणाम स्वरूप किसान आत्महत्या कर सकते हैं। इसलिए यह सुझाव दिया जाता है कि किसानों की आवश्यकतानुसार उनकी सहायता के लिए तत्काल मुआवजा दिया जाए। जमाअत ए इस्लामी हिंद महाराष्ट्र मांग करती है कि महाराष्ट्र राज्य सरकार इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर उठाए और अविलंब 15000 प्रति एकड़ मुआवजे की घोषणा करे और किसानों की मदद करे। किसानों की परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए उनकी सहायता करे। किसानों और छोटे व्यापारियों को ब्याज मुक्त ऋण देकर उन्हें अपने जीवन का पुनर्निर्माण करने का अवसर दिया जाना चाहिए।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

अजित पवार का बड़ा दावा

सुप्रिया सुले भी सरकार में शामिल होने के सपोर्ट में थी। उसके बाद उन्होंने बुक प्रकाशन के मौके पर इस्तीफा दिया, लेकिन उसके तुरंत बाद लोगों को कहा कि उनके समर्थन में लोग प्रदर्शन करें और इस्तीफा वापस मांगे और प्रदर्शन के बाद उन्होंने इस्तीफा वापस लिया, अगर इस्तीफा नहीं देना था तो फिर इतनी नौटंकी क्यों? अजित पवार ने कहा कि सरकार में शामिल होने के बाद शरद पवार ने सभी मंत्रियों को मिलने के लिए बुलाया और फिर उसके बाद दूसरे दिन विधायकों को भी मिलने के लिए बुलाया। बैठक मे उन्होंने सारी बात सुनी और कहा कि ठीक है। हम बताते हैं, फिर बयान आने शुरू हो गए। फिर 12 अगस्त को एक बिजनेसमैन के घर पर पुणे बुलाया गया, जहां शरद पवार, अजित पवार, जयंत पाटिल और बिजनेसमैन थे, वहां पर भी बोला गया कि सब कुछ ठीक होगा। अजित पवार ने कहा कि देश में समान नागरिक संहिता लाना चाहिए। उसको लेकर भ्रम नहीं पैदा होनी चाहिए। उससे आरक्षण को लेकर कोई दिक्कत नहीं होगी, जो आरक्षण दिया है। उसमें कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन समाज नागरिक कानून को लेकर चर्चा होनी चाहिए और उससे मार्ग निकालना चाहिए। अजित पवार ने कहा कि जो महाराष्ट्र की संस्कृति नहीं है। वैसे शब्द इस्तेमाल किए जा रहे हैं वो कोई भी नहीं करें। मराठा आंदोलन शुरू है, ओबीसी का आंदोलन शुरू है। जातिगत आधार पर जनगणना होनी चाहिए, ये पता चलना चाहिए कि कौन सी जाति कितनी है ये पता चलना चाहिए।

राखी सावंत को पर्सनल वीडियो लीक मामले में राहत

राखी सावंत के वकील अली काशिफ खान देशमुख ने आदिल दुरानी के आरोप को बेबुनियाद बताया। देशमुख ने कहा कि आदिल ने राखी को परेशान करने के उद्देश्य से मामला दर्ज कराया है। हालांकि अभिनेत्री को सत्र अदालत ने अंतरिम सुरक्षा दी है। डिंडोशी सत्र अदालत ने बुधवार को राखी सावंत को उनके अलग हुए पति की ओर से दायर मामले में 7 दिसंबर तक गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दे दी। दुरानी ने दोनों के निजी वीडियो कथित तौर पर लीक करने को लेकर राखी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। दुरानी ने राखी पर उन्हें बदनाम करने के लिए उनके निजी वीडियो मीडिया को दिखाने का आरोप लगाया है। अदालत ने राखी सावंत को अस्थायी राहत देते हुए कहा कि चूंकि गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका पर सुनवाई उनके पति के आदेश पर स्थगित की जा रही है ताकि उन्हें अपनी बात कहने का मौका दिया जा सके, इसलिए उन्हें सुरक्षा देना उचित होगा। इसके साथ ही अदालत ने मुंबई पुलिस को 7 दिसंबर तक राखी सावंत के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं करने को कहा है। इससे पहले राखी ने आदिल पर उनका न्यूड वीडियो रिकॉर्ड करने का आरोप लगाया और उस वीडियो को बड़ी रकम लेकर बेचने का आरोप लगाया। जबकि आदिल दुरानी ने राखी को धोखेबाज बताया है।

कोहरे से बड़ा हादसा।

इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. सभी मृतक एक ही परिवार के बताये जा रहे है। तीन घायलों का इलाज मंचर उपजिला अस्पताल में और दो घायलों का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। हादसा उस वक्त हुआ जब टेम्पो को एक क्रूजर जीप ने पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना सुबह लगभग साढ़े पांच से छह बजे के बीच हुई। बताया जा रहा है कि आज सुबह पुणे-नासिक हाईवे पर सड़क पर अधिक कोहरा था। इस बीच तेज रफ्तार क्रूजर ने टेंपो में पीछे से टक्कर मार दी। इससे क्रूजर सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक सातारा जिले के सटाणा के जायखेडा के रहने वाले है। उनकी पहचान पंकज खंडू जगताप (उम्र 36), मधुकर तुकाराम अहिरे (उम्र 52), शांताराम संभाजी अहिरे (उम्र 50) के तौर पर हुई है। घटना की सूचना जैसे ही पुलिस को मिली तो वह मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि हादसा अधिक कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम होने की वजह से हुआ है। इसलिए कहा जा रहा है कि क्रूजर के ड्राइवर को सामने चल रहे वाहन का अंदाजा नहीं लगा।

फोर्ब्स एशिया के दानवीरों की सूची में तीन भारतीय परोपकारी शामिल

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

कॉरपोरेट्स की दानवीरता को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। अंतरराष्ट्रीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे कारोबारियों या उद्योगपतियों को सराहा जाता है जो अपनी कमाई में से देश के वंचित लोगों के लिए पैसा दान करते हैं या आर्थिक मदद देते हैं। इस साल की फोर्ब्स एशिया की 'हीरोज ऑफ फिलॉन्थ्रॉपी' लिस्ट आ गई है। फोर्ब्स एशिया की 'हीरोज ऑफ फिलॉन्थ्रॉपी' लिस्ट के 17वें एडिशन में भारत के तीन दिग्गजों का नाम शामिल है। इसमें इंफोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि, डीएलएफ के चेयरमैन एमिरेट्स कुशल पाल सिंह और जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ को जगह मिली है। फोर्ब्स की ओर से ये लिस्ट आज निकाली गई है।

फोर्ब्स ने एशिया की 'हीरोज ऑफ फिलॉन्थ्रॉपी' सूची जारी की, 17वें एडिशन में नीलेकणि, डीएलएफ के सिंह और निखिल कामथ शामिल

हीरोज ऑफ फिलॉन्थ्रॉपी लिस्ट में कुल 15 नाम

ये एक सालाना लिस्ट होती है और इस साल की फोर्ब्स 'हीरोज ऑफ फिलॉन्थ्रॉपी' लिस्ट में 15 दानवीरों या परोपकारियों को शामिल किया गया है। भारत से ये तीन लोग इस लिस्ट में शामिल हैं।

नंदन नीलेकणि

इस लिस्ट में टेक्नोलॉजी दिग्गज इंफोसिस के को-फाउंडर और चेयरमैन नंदन नीलेकणि को शामिल किया गया है। उन्होंने इसी साल जून में आईआईटी बॉम्बे को 3.2 अरब रुपए (3.8 करोड़ अमरीकी डालर) का दान दिया था जो कि काफी बड़ी रकम है। फोर्ब्स के मुताबिक ये वित्तीय मदद भारत के एजूकेशन सेक्टर को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए काम आने वाली है।

डीएलएफ के कुशल पाल सिंह

डीएलएफ के कुशल पाल सिंह 92 साल के हैं और इस साल की शुरुआत में ये अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में थे। इन्होंने इसी अगस्त में अपनी रियल एस्टेट कंपनी में बची हुई डायरेक्ट हिस्सेदारी को बेच दिया था। इसके जरिए केपी सिंह ने 7.3 अरब रुपए जुटाए थे। कहा जा रहा था कि केपी सिंह ने 731 करोड़ रुपए की रकम देश में परोपकार के कामों में इस्तेमाल करने के लिए जुटाई है।

जेरोधा के निखिल कामथ

देश की सबसे बड़ी स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ की यूट्यूब पॉडकास्ट सीरीज डब्ल्यूटीएफ इज से एक करोड़ रुपए या 120,000 अमेरिकी डॉलर तक उस चैरिटी को देगा जो दर्शकों ने चुनी हो। निखिल कामथ जून में गिविंग प्लेज में शामिल हुए थे और ऐसा करने वाले वो भारत से चौथे कारोबारी हैं।

महाराष्ट्र माइनोरिटी मिनिस्टर अब्दुल सत्तार का सरकारी माइनोरिटी क्षेत्रों को बेहतर और सक्रिय बनाने का मुस्लिम समुदाय को आश्वासन

इस्लाम जिमखाना में मुस्लिम समुदाय के साथ हुई अहम बैठक

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

मुंबई। दक्षिण मुंबई के इस्लाम जिमखाना में तारीख 27 नवंबर 2023 को माइनोरिटी मामलों में महाराष्ट्र राज्य माइनोरिटी मिनिस्टर अब्दुल सत्तार अब्दुल नबी ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार माइनोरिटी क्षेत्रों में सुधार और सुधार के लिए हर मुमकिन प्रयास करेगी और अगले दस महीनों में कामों को अंजाम दुंगा और जटिल समस्याओं और बाधाएं दूर होंगी। इस्लाम जिमखाना और उसके प्रेसिडेंट एडवोकेट यूसुफ अब्राहानी के दावत पर नामी गिरामी मुसलमानों के साथ एक बैठक की गई और उनकी समस्याओं पर चर्चा की गई। जिनमें मुस्लिम बच्चों के लिए सरकारी स्कोलर्स सिप फीस, वक्फ बोर्ड, चेरीटेबल ट्रस्ट, माइनोरिटी के मामलके बारे में बैठक हुई, उन्होंने वादा किया कि मौलाना आजाद फाइनेंन्स कॉर्पोरेशन के लिए 500 करोड़ रुपये के फंड को मंजूरी देने का निर्णय लिया गया है, और एड्युकेशन फंड भी बढ़ाया जाएगा जबकि विदेश में एड्युकेशन के लिए फंड देने की शर्तें सरल की जाएंगी। अब्दुल सत्तार ने कहा कि बंदोबस्ती संपत्तियों को सिस्टम के अधीन कर राष्ट्र को फायदा पहुंचाने तथा एड्युकेशनल व सामाजिक स्तर पर विकसित करने का प्रयास किया जायेगा. उन्होंने आश्वासन दिया और दावा किया कि अगले दस महीने मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण होंगे और इन दस महीनों में क्रिकेट के दस ओवर की तरहां फास्ट काम करुंगा और माइनोरिटी समुदाय के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं लागू की जाएंगी। शुरूआत में इस्लाम जिमखाना के प्रेसिडेंट एडवोकेट यूसुफ अब्राहानी ने कहा कि माइनोरिटी के अधिकारों और सुरक्षा पर अब्दुल सत्तार के विचार दूसरों से अलग हैं और वह इस संबंध में सकारात्मक सोच रखते हैं, लेकिन वो कार्रवाई करना चाहते हैं। उन्होंने कई मौकों पर यह कट टाइम भी दिया है। हुकमरान भी अपनी कार्ययोजना पर ध्यान दे रहे हैं, यह स्वागत योग्य बात है। इस मौके पर एनसीपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और माइनोरिटी आयोग के पूर्व अध्यक्ष सैम खान ने कई सुझाव दिये और अपने अनुभव रखे। उन्होंने कई आयोगों और समितियों के गठन की भी मांग की। मिनिस्टर अब्दुल सत्तार ने उर्दू साहित्य अकादमी, माइनोरिटी आयोग, मौलाना आजाद वित्तीय निगम और माइनोरिटी से संबंधित अन्य समितियों के प्रमुखों को गर्मजोशी देने का भी आश्वासन दिया। इस बैठक के अंत में ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफिसर ने संबोधन के साथ आभार व्यक्त किया, जबकि डॉ. मुहम्मद अली पाटनकर ने बैतमाल की स्थापना का सुझाव दिया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों एवं संगठनों एवं संस्थाओं के नामी गिरामी व्यक्ति एवं पत्रकार साथी उपस्थित थे।

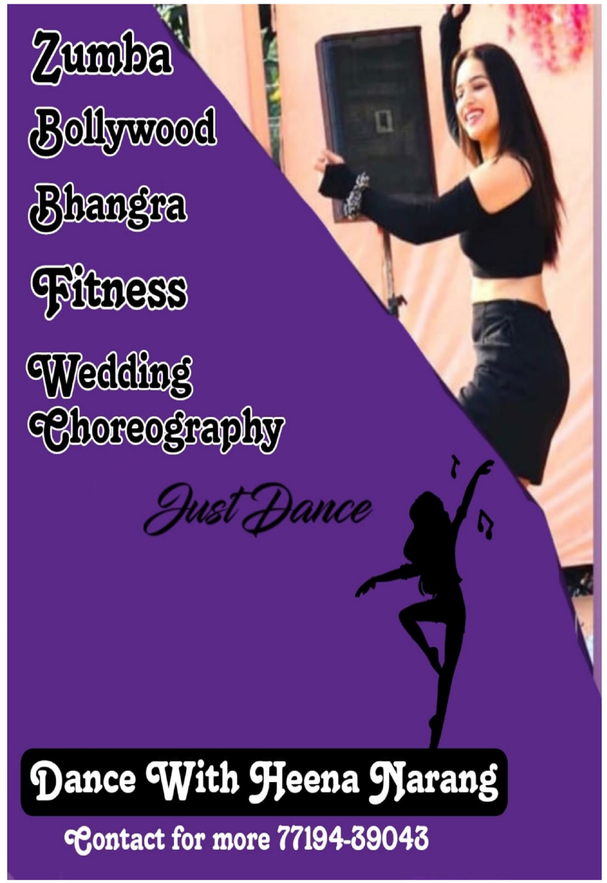

कानपुर परीक्षा दे रहा सॉल्वर अभ्यर्थी सहित गया जेल

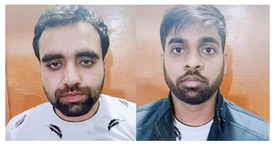

कानपुर। लाख प्रयासों के बाद भी पैसे के लालच में लोग विभिन्न परीक्षाओं में सॉल्वर की की भूमिका अदा करने से बाद नहीं आ रहे हैंऐसा ही करने वाले दो युवकों को गिरफ्तार करने के बाद जेल का रास्ता दिखा दिया गया। इनमें से जिस समय अभ्यर्थी शौचालय में छुपा हुआ था उसी समय उसके स्थान पर सॉल्वर परीक्षा दे रहा था ,जिसकी जानकारी होने पर केंद्र व्यवस्थापक ने दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद उन्हें जेल का रास्ता दिखा दिया। यह घटना महाराजपुर थाना क्षेत्र की है। जहां हाथीपुर स्थित जन कल्याण सेवा समिति में एसएससी दिल्ली पुलिस की ऑनलाइन भर्ती परीक्षा हो रही। इसकी द्वितीय पाली में केंद्र व्यवस्थापक ने सॉल्वर व अभ्यर्थी को पकड़ पुलिस के हवाले कर दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक दूसरी पाली में शामली जिले में रहने वाले शिवम कुमार के स्थान पर मथुरा के मांट निवासी अजीत कुमार परीक्षा देने की कोशिश करता पकड़ा गया। शिवम रजिस्ट्रेशन कराने के बाद शौचालय में छिपकर बैठ गया था। इस बीच पुलिस द्वारा की गई जांच में पता चला कि अजीत ने प्रवेश पत्र में अपनी फोटो लगाकर केंद्र प्रवेश में किया था जिसके बाद शौचालय में छिपकर बैठे शिवम से प्रवेश पत्र बदलकर परीक्षा देने बैठ गया। थाना प्रभारी अभिषेक शुक्ला ने बताया कि मामले में पुलिस ने केंद्र व्यवस्थापक की तहरीर पर धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार कर इस्तेमाल करने व परीक्षा अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की है।

रक्षा अधिग्रहण परिषद ने सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 2.23 लाख करोड़ रुपए के पूंजी अधिग्रहण के प्रस्तावों को मंजूरी दी

रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' को अधिक बढ़ावा देने के लिए

98 प्रतिशत राशि घरेलू उद्योगों से जुटाई जाएगी

- एचएएल से हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर और हल्के लड़ाकू विमान एमके 1ए की खरीद को मंजूरी मिली
- भारतीय नौसेना को सतही मंच के लिए मध्यम दूरी की एंटी-शिप मिसाइलों का अनुमोदन
- भारतीय फील्ड गन का स्थान लेने के लिए टोड गन सिस्टम के अधिग्रहण को मंजूरी मिली

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने 2.23 लाख करोड़ रुपए की राशि के विभिन्न पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) के संबंध में अपनी मंजूरी दी है। इन प्रस्तावों में 2.20 लाख करोड़ रुपए (कुल एओएन राशि का 98 प्रतिशत) की राशि घरेलू उद्योगों से जुटाई जाएगी। इससे 'आत्मनिर्भरता' के लक्ष्य हासिल करने की दिशा में भारतीय रक्षा उद्योग को काफी बढ़ावा मिलेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को हुई बैठक में इन प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई।

डीएसी ने दो तरह की एंटी-टैंक युद्ध सामग्री, एरिया डेनियल म्यूनिशन (एडीएम) टाइप-2 और टाइप-3 की खरीद के लिए एओएन को मंजूरी दे दी है, जो टैंक और बख्तरबंद कर्मियों के वाहक और दुश्मनों के वार को बेअसर करने में सक्षम हैं। अपनी सेवाकाल की अवधि पूरी कर चुकी इंडियन फील्ड गन (आईएफजी) को बदलने के लिए, अत्याधुनिक टोड गन सिस्टम (टीजीएस) को मंजूरी दी गई है जो भारतीय सेना के तोपखाने बलों का मुख्य

आधार बनेंगी। एओएन को 155 मिमी आर्टिलरी गन में उपयोग के लिए 155 मिमी नबलेस प्रोजेक्टाइल के लिए भी मंजूरी दी गई थी, जो प्रोजेक्टाइल की घातकता और सुरक्षा को बढ़ाएगी। भारतीय सेना के ये उपकरण बाई (इंडियन-आईडीडीएम) श्रेणी के तहत खरीदे जाएंगे।

बाई (इंडिया) श्रेणी के तहत टी-90 टैंकों के लिए स्वचालित लक्ष्य ट्रैकर (एटीटी) और डिजिटल बेसाल्टिक कंप्यूटर (डीबीसी) की खरीद के लिए एओएन की मंजूरी दी गई है जो प्रतिद्वंद्वी प्लेटफार्मों पर टी-90 टैंकों की लड़ाकू क्षमता बनाए रखने में मदद करेंगे। बाई (भारतीय-आईडीडीएम) श्रेणी के तहत भारतीय नौसेना के सतह प्लेटफॉर्म के लिए मध्यम दूरी की एंटी-शिप मिसाइलों (एमआरएएसएचएम) की खरीद के लिए एओएन प्रदान किया गया है। एमआरएएसएचएम की कल्पना एक हल्के सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल के रूप में की गई है जो भारतीय नौसेना के जहाजों पर एक प्राथमिक आक्रामक हथियार होगा।

सुखोई-30 एमकेआई विमान का होगा उन्नयन

इसके अलावा, डीएसी ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और भारतीय सेना के लिए लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) और हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से आईएएफ के लिए लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) एमके 1ए की खरीद के लिए बाई (इंडियन-आईडीडीएम) के तहत एओएन प्रदान किया गया है। एचएएल से स्वदेशी तौर पर सुखोई-30 एमकेआई विमान के उन्नयन के लिए डीएसी ने एओएन प्रदान किया है। जहां इन उपकरणों की खरीद से भारतीय वायुसेना को भारी ताकत मिलेगी, वहीं घरेलू रक्षा उद्योगों की भी इस अधिग्रहण से क्षमता नई ऊंचाई पर पहुंचेगी। इससे विदेशी मूल के उपकरण निर्माताओं (ओईएम) पर निर्भरता भी काफी सीमा तक कम हो जाएगी। इसके अलावा, स्वदेशीकरण को अधिकतम करने के लिए, डीएसी ने रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) 2020 में एक बड़े संशोधन को अपनी मंजूरी दे दी है। यह निर्णय लिया गया है कि अब से, खरीद के मामलों की सभी श्रेणियों में, न्यूनतम 50 प्रतिशत खरीदारी सामग्री, घटक और सॉफ्टवेयर के रूप में स्वदेशी घटक की होगी जो भारत में निर्मित होंगे।

मौत को आमंत्रण देती दयाल बाग की टूटी पुलिया

मुंबई हलचल/संवाददाता

कानपुर। जिस आम जनता के बल पर कोई नेता, जन प्रतिनिधि, सांसद विधायक और मंत्री बनता है। वही लोग उन समस्याओं का निराकरण नहीं करते जो लोगों के लिए अक्सर जानलेवा भी साबित होती हैं। इसके शिकार केवल संबंधित क्षेत्र के मूल निवासी लोग ही नहीं बल्कि जो अन्य प्रांतों और जनपदों से भी वहां जाकर रहते हैं। वह भी इन हालातों का शिकार होने से नहीं बच पाते। यहां नाले का गंदा पानी भी सड़कों पर बहने के साथ ही सफाई न होने के चलते घरों में भी घुस रहा है। आरडब्ल्यूए के प्रधान और कानपुर देहात के मूल निवासी अजय सिंह बताते हैं कि पुलिया सालों से टूटी होने की वजह से इससे प्रतिदिन गुजरने वाले लगभग 20 हजार से ज्यादा लोगों को अपने गंतव्य पर आने-जाने के लिए लगभग 2 किलोमीटर से भी ज्यादा का अतिरिक्त सफर करना पड़ता है। साथ ही भीषण बदबू क्षेत्र में बीमारियों का भी कारण है। वहीं आरडब्ल्यूए के जॉइंट सेक्रेटरी ललित मोहन शर्मा का कहना है कि हरियाणा सरकार के अधिकार क्षेत्र वाली 5 साल से टूटी पड़ी दयालबाग की यह पुलिया जानलेवा तो है ही साथ ही इस पूरे सेक्टर में गंदगी की भी भरमार है। उन्होंने बताया कि आवागमन के लिए राहगीरों ने नाले पर बिजली का जो पोल डाल रखा है। इसे पार करते कई लोग नाले में गिरकर घायल भी हो चुके है। यही नहीं दयालबाग पुलिया टूटी होने की वजह से यहां से वहनों का आना जाना बिल्कुल बंद है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

उत्तराखंड कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की संयुक्त प्रेसवार्ता

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। सिलक्यारा टनल में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के बाद अब विपक्ष ने सत्तापक्ष पर सवालों की बौछार शुरू कर दी है। दअरसल कांग्रेस मुख्यालय देहरादून में आज संयुक्त प्रेसकॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल समेत पार्टी के तमाम अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे... कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने प्रेसवार्ता में कहा कि सिल्कयारा टनल से मजदूरों को बाहर निकालने के बाद मुख्यमंत्री खुद सारा श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं और इस घटना

को ईवेंट के तौर पर पेश कर रहे हैं.. जबकि जिन 'रैट होल माइनर्स' और बचाव कार्यों में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिन रात मेहनत करी उनको सरकार ने पीछे कर दिया...जो कि गलत है...वहीं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि सरकार को सिल्कयारा टनल हादसे से सबक लेना चाहिए...और पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण कार्यों से बचते हुए हिमालय को बचाने पर भी ध्यान देना चाहिए....हरीश रावत ने इस दौरान मजदूरों को बाहर निकालने के लिए 'रैट होल माइनर्स' की जमकर सराहना भी की....साथ ही उन्होंने बताया कि पार्टी ने निर्णय लिया है कि सभी विधायक अपने एक एक माह का वेतन देने के साथ ही पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी इन रैट होल माइनर्स के लिए आर्थिक योगदान देंगे...पार्टी ये धनराशि रैट होल माइनर्स को सम्मान के तौर पर देगी... वही पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने अबतक संबंधित कंपनी पर कार्रवाई ना करने पर सरकार की मंशा पर सवाल उठाए... साथ ही उन्होंने ऐलान किया कि भले ही वो विधायक नहीं है.. लेकिन फिर भी वह मौजूदा विधायक की भांति अपना एक माह का वेतन रैट होल माईनर्स को सम्मान के तौर पर देंगे।

17 दिन तक रेस्क्यू आपरेशन को कोस रही कांग्रेस की अब जगी चेतना सुखद: चौहान

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। सिलक्यारा सुरंग मे 17 दिन तक चले रेस्क्यू आपरेशन के दौरान तमाम तरह की तकनीकी खामिया गिनाने और सरकार को कोसने मे लगी कांग्रेस की चेतना आखिरकार जाग गयी यह सुखद है। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि बेहतर होता कि कांग्रेस रेस्क्यू आपरेशन के समय संयम और गैर जिम्मेदाराना रवैया नही अपनाती तो बेहतर होता। इस दौरान वह टनल को लेकर तकनीकी दक्षता का भी प्रदर्शन भी करने मे पीछे नही रही। कांग्रेस मजदूरों के बाहर निकलने की चिंता कम और इसे अवसर मानकर राजनैतिक समीक्षा मे जुट गयी।

चौहान ने कहा कि कांग्रेस राज्य मे सुरंग आधारित परियोजनाओं को लेकर सुविधा के हिसाब से वक्तव्य देती रही है। जोशीमठ को लेकर भूगर्भ शास्त्रियों की रिपोर्ट को अनदेखा करने की सीधी दोषी कांग्रेस रही है, लेकिन भाजपा पर

आरोप प्रत्यारोप लगाती रही है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने हर आपदा की भाँति इस बार भी बेहतर प्रबंधन के जरिये जोशीमठ के आपदा प्रभावितों को सीधा लाभ पहुंचाया।अब तक श्रेष्ठ आपदा राहत मुहैया करायी गयी। चौहान ने कहा कि मजबूत राजनैतिक इच्छा शक्ति का ही परिणाम है कि आज केदारनाथ विश्व पटल पर स्थान पा चुका है। जहाँ तक सिलक्यारा का सवाल है तो देश दुनिया ने उत्तराखंड मे चले रेस्क्यू आपरेशन को देखा और राज्य तथा केंद्र के साथ जनता रेस्क्यू मे जुटी एजेंसियों के साथ रही। अब तक सिलक्यारा सुरंग की जरूरत और राज्य मे सुरंग आधारित योजनाओं पर सवाल उठाने वाली कांग्रेस को सुविधा के हिसाब से चीजों को देखने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत इस सुरंग की डीपीआर कांग्रेस कार्यकाल मे तैयार होने को उपलब्धि के तौर पर मानते है तो अन्य नेता इसकी प्रासंगिकता पर ही सवाल उठाते रहे हैं। हालांकि विकास की राह मे अड़चने आती है और उसे काल खंड से नही जोड़ा जा सकता है। उन्होंने रेट माइनर को पुरस्कृत करने के कांग्रेस के निर्णय को सराहनीय बताया, लेकिन साथ ही रेस्क्यू के लिए प्रयास के आकलन और वर्गीकरण को पूरी तरह से गलत ठहराया। सरकार ने अभियान मे लगे सभी एजेंसियों, देश विदेश के आये विशेषज्ञों और सेना सहित चिकित्सकों को इसका श्रेय दिया। रेट माइनर भी रेस्क्यू दल का हिस्सा थे और आखिरी क्षणों मे उन्होंने बेहतर कार्य किया। उन्होंने कहा कि किसी के प्रयास को अधिक आंक कर किसी को कमतर आँकना सही मूल्यांकन नही हो सकता। यह कांग्रेस की सोच को भी दशार्ता है। हालांकि कांग्रेस एजेंसियों के द्वारा किये जा रहे अलग अलग प्लान पर भी सवाल उठाती रही है।

चौहान ने कहा कि सरकार ने एजेंसियों के साथ खड़े होकर अपना कर्तव्य का निर्वहन किया और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी लगातार वही डटकर सरकारी काम भी निपटाए जिसे कांग्रेस स्टंट या प्रचार कह रही है वहीं आम लोगों का रेस्क्यू को लेकर उल्लास था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भी रेस्क्यू दलों के पीछे खड़ा होकर अभियान का हिस्सा बन सकती थी, लेकिन वह रेस्क्यू के बजाय जाँच और सियासी उलझनों मे रह गयी और धामी के प्रयासों को कोसते रही। चौहान ने कहा कांग्रेस को रचनात्मक विपक्ष के धर्म का पालन करने की जरूरत है।

इन्वेस्टर समिट की तैयारीयां तेज

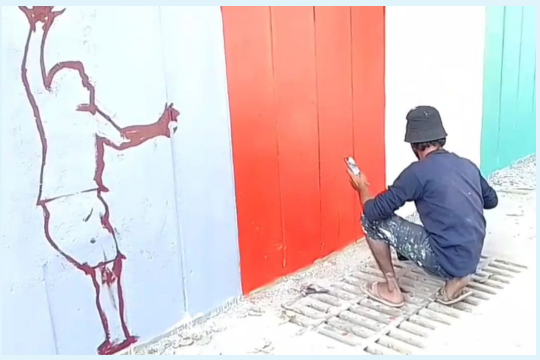

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। दिसंबर माह में राजधानी देहरादून में आयोजित होने वाले इन्वेस्टर समिट को लेकर तैयारियां तेज होने लगी है जिसके चलते पूरे शहरभर में रंग-रोगन सहित साज सजावट का कार्य जोरों से चल रहा है,जानकारी देते हुए एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता यही है कि दिसंबर माह में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के लिए राजधानी दून शहर को सजाया जाए,इसके लिए हमने तेरह ऐसे मुख्य मार्गों को चिन्हित किया है जहां पर रंग रोगन सहित साज-सजावट के अनेकों कार्य चल रहे हैं, वहीं इन्वेस्टर समिट को देखते हुए मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण की ओर से शहरभर में फसाड नीति के तहत कार्य कराए जा रहे हैं। इसके तहत दुकानों के आगे लगे साइन बोर्ड को फसाड नीति के अंतर्गत एक समान रूप से किया जा रहा है।

नाश मुक्ति केंद्रों पर गिरेगी गाज,रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया हुई अनिवार्य

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। आमतौर पर नशे की लत को कम करने और नशा छुड़ाने के लिए तमाम ऐसे लोगों को नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती करवाया जाता है लेकिन प्राय देखने में आ रहा है कि बीते लंबे समय से प्रदेशभर में संचालित हो रहे नशा मुक्ति केंद्रों ने अब तक ना रजिस्ट्रेशन करवाया है और ना ही मानकों पर खरे उतरे हैं, ऐसे में अब प्रदेशभर में संचालित हो रहे तमाम नशा मुक्ति केंद्रों को मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के तहत रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा। जानकारी देते हुए मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के नोडल अधिकारी मयंक बडोला ने कहा कि प्रदेशभर में संचालित हो रहे नशा मुक्ति केंद्रों को 14 दिसंबर तक रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा अन्यथा बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित हो रहे प्रदेशभर में नशा मुक्ति केंद्रों पर वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है । आपको बता दें कि प्रदेशभर में मौजूदा समय में 100 से ज्यादा नशा मुक्ति केंद्र संचालित हो रहे हैं लेकिन पिछले लंबे समय से नशा मुक्ति केंद्रों को लेकर तमाम शिकायतें सामने आ रही थी और लगातार भारी अनियमिताएं भी देखने को मिल रही थी,ऐसे में भारी अनियमितताओं को देखते हुए नशा मुक्ति केंद्रों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है।

मीटर रीडर ने धांधली करके ऊर्जा निगम को लगा दिया लाखों का चूना

मुंबई हलचल/संवाददाता

विकासनगर। मीटर की रीडिंग में गड़बड़ी करके ऊर्जा निगम को लाखों का चूना लगाने की मीटर रीडर की कारस्तानियों से ऊर्जा निगम में हड़कंप मचा हुआ है। निगम के अधिकारियों की जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, उनमें मीटर रीडर ने न सिर्फ उपभोक्ताओं से मिलकर रीडिंग कम करने का खेल किया, बल्कि यह धांधली नहीं खुल सके, इसके लिए मीटरों को ही जला दिया। मीटर रीडिंग में गड़बड़ी व उनको जलाकर रीडिंग नष्ट करने का यह सनसनीखेज मामला विकासनगर के बरोटीवाला क्षेत्र में सामने आया है। मामला उजागर तब हुआ, जब बरोटीवाला क्षेत्र से मीटर में इलेक्ट्रिक शार्ट हो जाने की लगातार आ रही शिकायतों पर निगम के अधिकारियों को कुछ अटपटा लगा। एक के बाद एक करके 40 मीटर जलकर खराब होने की शिकायतें आने के बाद विकासनगर के

सहायक अभियंता अरशद अली टीम के साथ बरोटीवाला क्षेत्र पहुंचे। जहां उन्होंने जलकर नष्ट हुए मीटरों की जांच की। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान उनके सामने जो तथ्य आए, वह चौंकाने वाले थे। सभी मीटरों को जानबूझकर नष्ट किया गया प्रतीत हो रहा था। गहनता से जांच करने पर पता चला कि मीटर रीडिंग का काम देखने वाली निजी कंपनी के मीटर रीडर ने उपभोक्ताओं से सांठ-गांठ करके इस पूरी धांधली को अंजाम दिया। मीटर रीडर रीडिंग लेने के दौरान कम रीडिंग लिखता, जिससे बिजली का कम बिल आता। उन्होंने बताया कि धांधली पकड़े जाने के डर से वह कुछ महीने बाद मीटर के तारों में गड़बड़ी करके उसे जलाकर नष्ट कर देता था। एसडीओ ने बताया मीटर जलने की घटनाओं को कब से अंजाम दिया जा रहा था, इस संबंध में जांच की जा रही है। इसके अलावा संबंधित मीटर रीडर को तत्काल हटाने के लिए निजी कंपनी को पत्र भेजा गया है। उन्होंने बताया कि मामले में उच्चाधिकारियों से बात करके आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक
मुंबई हलचल

मुंबई, शनिवार,
2 दिसंबर, 2023

... जियो हजारों साल ...

HAPPY
Birthday

RIZWAN BAIG

1
दिसंबर

जन्मदिन
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दमदार मूवी होगी यश19

साउथ सुपरस्टार यश अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'केजीएफ' और 'केजीएफ 2' के बाद अखिल भारतीय स्टार के रूप में उभरे हैं। उनकी लोकप्रिय भूमिका रॉकी भाई के लिए दुनिया भर में उनके बहुत बड़े प्रशंसक हैं। अब हर कोई उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा है, जिसकी घोषणा होना अभी बाकी है। अब पहली बार अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने प्रशंसकों को आश्वासन दिया कि उनकी अगली फिल्म एक अच्छी शानदार फिल्म होगी। यश ने मलेशिया में एक कार्यक्रम में भाग लिया और अपनी अगली फिल्म 'यश19' यानी अपनी 19वीं फिल्म के बारे में खुलकर बात की। जैसा कि उनकी अगली फिल्म से उम्मीदें आसमान पर हैं, उन्होंने कहा कि मैं किसी चीज के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह कुछ बड़ा होगा, लेकिन यह एक अच्छी फिल्म और एक अच्छा उत्पाद होगा। मैं इसकी घोषणा करूंगा। बहुत जल्द, थोड़ा धैर्य रखें और मुझ पर विश्वास करें। आप निश्चित रूप से एक अच्छी किक-अस फिल्म की उम्मीद कर सकते हैं। यह पहली बार है जब यश ने वास्तव में अपनी फिल्म के बारे में अपडेट दिया। इससे पहले उन्होंने हमेशा प्रशंसकों से धैर्य रखने को कहा था और कहा था कि काम चल रहा है। प्रशंसक यश19 के निर्देशक और विवरण जानने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।

विजय देवरकोंडा ने कुबूला अपना प्यार

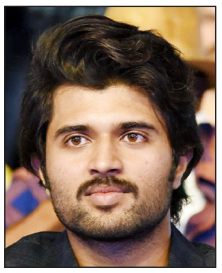

विजय देवरकोंडा अब सिर्फ साउथ सुपरस्टार नही रहे बल्कि बॉलीवुड में भी उनका सिक्का चमकने लगा है। एक्टर बॉलीवुड फिल्मो में तो डेब्यू कर ही चुके है साथ ही फैंस और बॉलीवुड हसीनाओं के दिल में भी एंट्री ले चुके है। हाल ही बॉलीवुड एक्ट्रेस के बीच विजय देवरकोंडा के लिए दीवानगी देखने को मिली थी। कई बड़ी हस्तियों ने खुलेआम कुबूल किया था कि उन्हें विजय देवरकोंडा पर क्रश है। लेकिन अब तक ऐसी खबरे सामने आ रही थी कि विजय देवरकोंडा किसी और को ही डेट कर रहे है। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि विजय देवरकोंडा नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना को डेट कर रहे है। लम्बे समय से इन दोनों का नाम जोड़ा जा रहा है। कई बार इन्हे साथ में स्पॉट किया जाता है, लेकिन ये दोनों एक- दूसरे को सिर्फ अच्छा दोस्त बताते है। लेकिन अब आखिरकार एक्टर ने अपने प्यार का इजहार कर ही दिया। अब उन्होंने खुलेआम अपनी फीलिंग्स जाहिर कर दी है और अपनी लेडी लव का नाम भी रिवील कर दिया है। लेकिन ये देखने के बाद आपको एक बड़ा झटका लगेगा। दरअसल, विजय ने अपने एक ट्वीट से सभी को चौंका दिया, जिसमें उन्होंने सामंथा रुथ प्रभु को अपना प्यार बताया है। विजय देवरकोंडा ने अपने ट्वीट में लिखा, उनसे प्यार हो गया था, जब कॉलेज में मैंने उन्हें पहली बार बड़े पर्दे पर देखा था। आज वो जो भी है उसके लिए मैं उनकी प्रशंसा करता हूं।

कियारा-सिद्धार्थ ने शादी से पहले क्यों छिपाए रखा रिश्ता? चुप्पी तोड़ बताई वजह

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने रिश्ते को छुपाए रखा और इस वर्ष के फरवरी महीने में शादी कर फैंस को कपल गोल दिया। जोड़े ने जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में परिवार के सदस्यों और दोस्तों की मौजूदगी में पारंपरिक हिंदू समारोह में शादी की। हालांकि, रिश्ते को अगले पड़ाव तक पहुंचाने से पहले सिद्धार्थ-कियारा ने कुछ समय तक एक-दूजे को डेट किया। इसी पर अब अभिनेत्री ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही अपने रिश्ते को वह कैसे छिपाने में सफल रहीं इस पर भी बड़ा खुलासा किया है। अपनी निजी जिंदगी को लेकर बेहद प्रोटेक्टिव रहने वालीं कियारा ने शादी से पहले सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते को ऑफिशियल न करने के पीछे की वजह का खुलासा किया है। अभिनेत्री ने हालिया इंटरव्यू में कहा, 'शादी से पहले, यह एक मुद्दा था क्योंकि हम अपने रिश्ते को सुरक्षित रखना चाहते थे। हम दोनों सेल्फ मेड स्टार्स हैं, और हमने अपने दम पर इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है।' कियारा ने अपनी बात को जारी रखते हुए आगे कहा, 'यह कुछ ऐसा है जिसमें हमने इतनी मेहनत की है कि हम नहीं चाहेंगे कि हमारा ध्यान हमारी निजी जिंदगी पर केंद्रित हो जाए।' अनजान लोगों के लिए, कियारा अशोक कुमार की सौतेली परपोती और सईद जाफरी की पोती हैं।